Border dispute with China

255. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether any fresh talks are proposed to be held with China to resolve Sino-Indian border dispute; and

(b) if so, what are the details of the. proposal?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I. K. GUJRAL): (a) aad *(b)* India-China *Joint* Working Group (JWG) has been dealing with the task of negotiating a settlement of the boundary question. The JWG has held one meeting in Beijing in July 1989and the next meeting is to be held at a mutually agreed time, convenient to both Governments. Tho JWG discussions cover matters relating to the maintenance of peace and tranquility in the border areas, and the need to reach a fair and reasonable settlement of the boundary question.

दिल्ली परिवहन निगम के बर्खास्त कर्मचारियों को बहाल किया जाना

256. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:** क्या **जल-भूतल** परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उन कर्मचारियों को, जिन्हें 1988 में दिल्ली परिवहन निगम के कर्मचारियों की हुई हड़ताल के दौरान नौकरी से निकाल दिया गया था, अभी तक सेवा में वापिस नहीं लिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उस समय कुल कितने कर्मचारी बर्खास्त किये गये थे ;

(ग) बर्खास्त किये गये कर्मचारियों में से उन कर्मचारियों की संख्या कितनी है जिन्हें अब तक बहाल किया जा चुका है ; और

(घ) शेष कर्मचारियों को कब तक सेवा में बहाल कर लिया जायेगा ?

जल-भूतल परिवहन मंत्री तथा संचार मंत्री (श्री के. पी. उन्नीकृष्णन) : (क) से (ग) मार्च, 1988 में दि.प.नि. द्वारा कुल 3125 कर्मचारियों की सेवा समाप्त की गयी थी। बहुत से कर्मचारियों द्वारा उन्हें सेवा में वापिस लेने का अनुरोध करने पर विचार करने के बाद दि.प.नि. इन कर्मचारियों की सेवायें बहाल कर रहा है। इस संबंध में 21-12-1989 तक की स्थिति इस प्रकार है:-

(i) प्राप्त याचिकाओं/अभ्यावेदनों की संख्या	2666
(ii) दि.प.नि. द्वारा नौकरी के लिये भेजे गये प्रस्ताव पत्रों की संख्या	2645
(iii) प्राप्त स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या	2554
(iv) पुनः नियुक्त किये गये कर्मचारियों की संख्या	2452

अभ्यावेदनों पर विचार करने, नियुक्ति प्रस्ताव भेजने आदि की प्रक्रिया जारी है।

(घ) बहुत से कर्मचारियों द्वारा उन्हें वापिस लेने के अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया गया है तथा कुछ और लंबित मामलों पर कार्रवाई की जा रही है और उनके शीघ्रातिशीघ्र तय होने की आशा है।

पंजाब में राष्ट्रपति शासन के दौरान गिरफ्तारियां और हत्यायें

257. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पंजाब में गत 2 वर्षों से राष्ट्रपति शासन लागू है ;

(ख) यदि हां, तो इन वर्षों के दौरान अब तक कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया है और नवम्बर, 1989 तक पंजाब में कितने लोगों की हत्यायें हुई ; और

(ग) इस अवधि के दौरान अलग-अलग रूप में कितने आतंकवादी और कितने निर्दोष व्यक्ति मारे गये ?

गृह मंत्री (श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद) : (क) जी हां, श्रीमान्। पंजाब में 11-5-87 से राष्ट्रपति शासन लागू है।

(ख) और (ग) पंजाब सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार 11 मई, 1987 से 30 नवंबर, 1989 तक की अवधि के दौरान पंजाब में 303 पुलिस कार्मिकों सहित 3630 व्यक्ति मारे गये और 8909 आतंकवादी गिरफ्तार किये गये । इसी अवधि के दौरान 1325 आतंकवादी मारे गये ।

Security for ex-Ministers

258. SHRT VISHWAS RAO RAMRAO PATIL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether security measures provided to ex-Ministers of Central Government have been continued;

(b) if so, what are the names of the Ex-Ministers provided with special security police personnel;

(c) what are the reasons therefor; and

(d) what is the daily expenditure involved in their security; Minister-wise ?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED): (a) to (d) The question of continuing security measures for ex-Ministers is under consideration of the Government. Security at appropriate scale *is* likely to be continued to be provided to some cx-Ministers in view of the security threat perceived in respect of them. It is not possible to give the figures of daily expenditure involved in the security since the Security is provided out of the resources of Police and other agencies whose operation are not confined to provision of security alone and expenditure of security is only a small fraction of their total expenditure.

Communal roits in Gujarat due to Ram Shila Processions

259. SHRI RAOOF VALIN ULLAH: Will the Minister ofHOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that series of communal roits took place in Gujarat in September- October, 1989 in the wake of Ram Shila processions;

(b) if so, what is the number of such incident sin Gujarat, districtwise during the last six months, the number of people injured and killed and the amount of property lost

(c) whether any representations were received by Government from minority organisations, MLA's and MPs regarding the deteriorating law and order situation in the State, if so, what remedial steps were taken by the Ministry;

(d) how many people have been detained under the Terroristsand Disruptive Activities (Prevention) Act in Gujarat and their community-wise break-up

(e) whether any relief measures were undertaken in roit-affected areas and adequate compensation paid to those killed and injured in the State?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED): (a) and (b) On the basis of information received from the Government of Gujarat a tabular statement showing the district-wise number of incidents in the State of